Shri Veda Vyasa Ashtakam

श्रीवेदव्यासाष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Veda Vyasa Ashtakam

File name : vedavyAsAShTakam.itx

Category : deities_misc, gurudev, aShTaka

Location : doc_deities_misc

Author : mudgalAchArya

Transliterated by : Krishnananda Achar

Proofread by : Krishnananda Achar

Latest update : August 28, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 28, 2021

sanskritdocuments.org

Shri Veda Vyasa Ashtakam

श्रीवेदव्यासाष्टकम्

सुजने मतितो विलोपिते निखिले गौतम शापतोमरैः ।
कमलासनपूर्वकैस्स्ततो मतिदो मेस्तु स बादरायणः ॥ १॥

विमलोऽपि पराशरादभूद्भुवि भक्ताभिमतार्थ सिद्धये ।
व्यभजद् बहुधा सदागमान् मतिदो मेस्तु स बादरायणः ॥ २॥

सुतपोमतिशालि जैमिनि प्रमुखानेकविनेय मण्डितः ।
उरुभारतकृन्महायशा मतिदो मेस्तु स बादरायणः ॥ ३॥

निखिलागम निर्णयात्मकं विमलं ब्रह्मसुसूत्रमातनोत् ।
परिहृत्य महादुरागमान् मतिदो मेस्तु स बादरायणः ॥ ४॥

बदरी तरुमण्डिताश्रमे सुखतीर्थेष्ट विनेयदेशिकः ।
उरुतद्धजन प्रसन्नहृन्मतिदो मेस्तु स बादरायणः ॥ ३॥

अजिनाम्बर रूपया क्रिया परिवीतो मुनिवेषभूषितः ।
मुनिभावित पादपङ्कजो मतिदो मेस्तु स बादरायणः ॥ ६॥

कनकाभजटो रविच्छविर्मुखलावण्य जितेन्दुमण्डलः ।
सुखतीर्थदया निरीक्षणो मतिदो मेस्तु स बादरायणः ॥ ७॥

सुजनोद्धरण क्षणस्वकप्रतिमाभूत शिलाष्टकं स्वयम् ।
परिपूर्णधिये ददौ हि यो मतिदो मेस्तु स बादरायणः ॥ ८॥

वेदव्यासाष्टक स्तुत्या मुद्गलेन प्रणीतया ।
गुरुहृत्पद्मसद्मस्थो वेदव्यासः प्रसीदतु ॥ ९॥

इति श्रीमुद्गलाचार्यकृतं श्रीवेदव्यासाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Krishnananda Achar

Shri Veda Vyasa Ashtakam

pdf was typeset on August 28, 2021

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*